Patrika (Indore), 14th July 2024, Page-07

आइआइटी इंदौर का 12वां दीक्षांत समारोह : 673 विद्यार्थियों को मिली डिग्री, गोल्ड और सिल्वर मेडल से किए गए सम्मानित

उड़ाया उल्लास का दुपट्टा... आंखों में खुशी के आंसू

पत्रिका plus रिपोर्टर
patrika.com

इंदौर. आइआइटी का 12वां दीक्षांत समारोह शनिवार को हुआ। इसमें 673 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। सबसे ज्यादा बीटेक के 334, पीएचडी के 81, एमएससी के 97, एमटेक के 54 और एमएस के 12 विद्यार्थी शामिल थे। कम्प्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग के विद्यार्थी मुकुल जैन को राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। इसके अलावा मेटेनर्जिकल इंजीनियरिंग एंड स्पेस इंजीनियरिंग के रिशव शर्मा को सिल्वर मेडल दिया गया। इसी तरह पीएचडी करने वालीं कंचन कश्यप को गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों के लिए यह बेहद खुशी भरा पल था। अपने माता-पिता के सामने अपनी डिग्री लेकर एक ओर जहां उनकी खुशी का कोई ठिकाना नहीं था तो दूसरी ओर वे भावुक भी दिखे। अपने सपनों को पूरा होते देख उनकी आंखों में खुशी के आंसू छलक उठे।

समारोह के मुख्य अतिथि डीआरडीओ के चेयरमैन और रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव डॉ. समीर वी. कामत ने संबोधित किया। उन्होंने कहा, युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए डीआरडीओ ने 'यंग साइंटिस्ट लेबोरेटरी' शुरू की है। इसमें 35 साल से कम के साइंटिस्ट काम करते हैं। आज का समय नौकरी का नहीं कर गया है। अब युवा एंटरप्रेन्योरशिप पर ज्यादा फोकस कर रहे हैं। इसके लिए सरकार भी कई तरह की पॉलिसी ला रही है। डीआरडीओ भी अपनी लैब के साथ काम करने के लिए स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित कर रहा है। जब एंटरप्रेन्योरशिप बढ़ेगी तो टेक्नोलॉजी का विकास भी तेजी से होगा। इससे देश को टेक्नोलॉजी लीडरशिप मिलेगी। पहले हम इनोवेशन्स को कॉपी करते थे, लेकिन अब हमने इसे डेवलप करना शुरू कर दिया है। इंदौर में जो पोटेंशियल है वह देश में किसी के पास नहीं है, इसलिए डीआरडीओ आइआइटी इंदौर के साथ मिलकर कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहा है।

आइआइएम व आइआइटी मिलकर काम कर रहे

आइआइएम इंदौर के डायरेक्टर प्रो. हिमांशु राय ने कहा, आइआइएम व आइआइटी कई प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं। इसमें इंदौर के विकास को लेकर भी काम कर रहे हैं। इससे टेक्निकल और मैनेजमेंट दोनों क्षेत्रों में सहायता मिल जाती है।

चांद के सैंपल्स पर की रिसर्च

एस्ट्रोनॉमी, एस्ट्रोफिजिक्स एंड स्पेस इंजीनियरिंग में एकटेक करने वाली क्रिशंगी कश्यप को ग्रेजुएटिंग फीमेल स्टूडेंट्स में बेस्ट परफॉर्मेंस के लिए गोल्ड व सिल्वर मेडल मिला है। उन्होंने सैटेलाइन डेटा के आधार पर चांद की सतह पर रिसर्च की है।

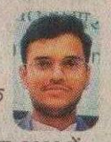

बीटेक इन इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग करने वाले छात्र अभिनव यादव को बेस्ट ऑलराउंडर के लिए गोल्ड मेडल मिला है। उन्होंने कहा, 2020 में मैंने यहां एंडमिशन लिया था। यहां देश के हर क्षेत्र के लोग मिलते है, इससे पढ़ाई के साथ उन्के कल्चर को जानने का मौका मिलता है।

गाजियाबाद के रहने वाले छात्र मुकुल जैन ने कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग में बीटेक किया है। उन्हें सबसे ज्यादा अंक लाने पर 'द प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल' से सम्मानित किया गया है। मुकुल फाइनेंस व बिजनेस सेक्टर में जाना चाहते हैं।

बायोपॉलिमर पर की पीएचडी

डिपार्टमेंट ऑफ बायोसाइंसेस और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग की छात्रा कंचन समाधिया को बेस्ट थिसिस वर्क डन बाया फिमेल स्टूडेंट के लिए वीपीपी मेनन गोल्ड मेडल अवार्ड मिला है। कंचन ने अपनी पीएचडी बायोपॉलिमर पर की है।

प्रतिभाओं ने बढ़ाया मान... मिले गोल्ड मेडल

- **मुकुल जैन-** द प्रेसिडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल
- **वनकयलपति साइ वेंकटा सात्विक-** इंस्टीट्यूट सिल्वर मेडल (यूजी प्रोग्राम)
- **वफ्तरी देव शिमुलभाई-** इंस्टीट्यूट सिल्वर मेडल (यूजी प्रोग्राम)
- **अमित विक्रांत धवले-** इंस्टीट्यूट सिल्वर मेडल (यूजी प्रोग्राम)
- **नित्या चौरसिया-** इंस्टीट्यूट सिल्वर मेडल (यूजी प्रोग्राम)
- **जितिन सतीश कुमार-** इंस्टीट्यूट सिल्वर मेडल (यूजी प्रोग्राम)
- **रिशव शर्मा-** इंस्टीट्यूट सिल्वर मेडल (पीजी प्रोग्राम)
- **क्रिशांगी कश्यप-** इंस्टीट्यूट सिल्वर मेडल (पीजी प्रोग्राम)
- **सौरभ कचौलिया-** बेस्ट बीटीपी अवार्ड
- **अभिनव यादव-** इंस्टीट्यूट गोल्ड मेडल (बेस्ट ऑलराउंडर)
- **क्रिशांगी कश्यप-** ब्यूटी फाउंडेशन गोल्ड मेडल
- **सेबस्टिन पी एस-** एमएसडीएसएम सिल्वर मेडल
- **दिव्यांश दुबे-** एमएसडीएसएम सिल्वर मेडल

इसरो और डीआरडीओ के साथ कई प्रोजेक्ट्स

आइआइटी इंदौर के निदेशक सुहास जोशी ने बताया, आइआइटी इंदौर के 500 एकड़ परिसर में दूसरे चरण के तहत कार्य पूर्ण हो चुका है। इसमें 31 बिल्डिंग तैयार हैं। अब तीसरे चरण का काम शुरू हो गया है। संस्थान लगातार एकेडमिक रिसर्च कर रहा है। हम इसरो और डीआरडीओ के साथ भी कई प्रोजेक्ट्स कर रहे हैं।